>

Title: Need to promote plantation of Khejadi Tree.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति महोदय, आज अमावस्या है। मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं, वहां गुरू जम्भेश्वर जी के द्वारा स्थापित बिश्नोई महासभा की तरफ से आज मुकाम में बहुत बड़ा मेला था। उस मेले में भी एक प्रस्ताव पास हुआ है। मैं राजस्थान-रेगिस्तान से आता हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please come to the point.

श्री अर्जुन राम मेघवाल : बहुत संक्षेप में कह रहा हूं। हमारे यहां खेजड़ी नाम का वृक्ष होता है, जिसे धार्मिक आस्था के कारण रेगिस्तान में तुलसी माना जाता है। हमारे यहां खेजड़ी मातृ पेड़ नहीं हैं। खेजड़ी के विकास के लिए गुरू जम्भेश्वर जी ने बहुत प्रयास किए, हम भी चाहते हैं कि उसके लिए एक प्रोजेक्ट बने। यह रेगिस्तान का मुख्य पेड़ है, उसके ऊपर जो सांगरी लगती है, वह ड्राई वेजिटेबल के रूप में एक्सपोर्ट भी होती है। मेरा यह कहना है कि प्रोटेक्टेड मान्यूमेंट की तरह, खेजड़ी को एक प्रोटेक्टेड ट्री माना जाए और किसानों के खेतों की सीमा पर अगर मनरेगा के तहत खेजड़ी लगाएंगे, तो खेजड़ी का विकास होगा, खेत का विकास भी होगा और खेत की फेंसिंग करने पर जो बकरी-भेड़ उसमें घुसने के समय फंस जाते हैं, उनकी नस कट जाती है, उनकी भी रक्षा होगी। ...(व्यवधान) इसलिए खेजड़ी के वृक्ष लगाने से खेत और खेजड़ी, दोनों का विकास होगा।...(व्यवधान)